हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 149 देहरादून, बृहस्पतिवार, 01 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

वन्य जीवों के हमले में मारे गये व्यक्तियों के परिजनों को 50 लाख दे सरकार : करन माहरा 3

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वादा किया पूरा धामी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि

महिलाओं को सरकारी नौकरियों के क्षैतिज आरक्षण का बना कानून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 दिसंबर। उत्तराखंड में विधानसभा अनुपूरक बजट सत्र के दूसरे दिन दो महत्वपूर्ण विधेयक विधानसभा में ध्वनिमत से पास हो गए हैं। उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) विधेयक 2022 के पास होने के बाद प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर कठोर कानून की प्रावधान हो गया है। इसके अलावा उत्तराखंड लोकसेवा (महिलाओं के क्षैतिज आरक्षण) विधेयक 2022 से प्रदेश में महिलाओं को 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था एक बार फिर से लागू हो जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। कुछ दिन पूर्व राज्य सरकार ने इन दोनों विधेयकों को कैबिनेट से मंजूरी दी थी। बुधवार को विधानसभा में इन विधेयकों के पास होने से प्रदेश में इसे लागू करने की जल्द अधिसूचना जारी हो जाएगी।

प्रदेश में धर्मान्तरण पर रोक सम्बंधित कानून बना

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभमि है यहां पर धर्मान्तरण जैसी चीजें हमारे लिए बहुत घातक है इसलिए सरकार ने यह निर्णय लिया था कि प्रदेश में धर्मान्तरण पर रोक के लिए कठोर से कठोर कानून बने। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि इस कानून को पूरी दृढ़ता से प्रदेश में लागू किया जाएगा। वहीं उत्तराखण्ड में महिलाओं के क्षैतिज आरक्षण विधेयक को लेकर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड निर्माण में मातृशक्ति का बहुत बड़ा योगदान है और सरकार ने यह पहले ही तय किया था कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस प्रदेश में मातृशक्ति का सम्मान करते हुए उन्हें इस क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिले।महिलाओं के लिए राज्याधीन सेवाओं में क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था देने करने यह अधिनियम मातृ शक्ति को समर्पित है।

भारत में 279 नए कोविड -19 मामले देखे गए, 24 घंटे में 5 मौतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 279 नए कोविड -19 मामलों में एक दिन की वृद्धि दर्ज की, जिसने संक्रमण की संख्या को 4,46,72,347 तक पहुंचा दिया, जबकि सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 4,855 रह गई।सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों में कहा गया है कि बीमारी के कारण मरने वालों की संख्या 5,30,620 हो गई है, जिसमें पांच मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें दो मौतें शामिल हैं। रिपोर्ट की गई तीन ताजा मौतें हिमाचल प्रदेश, केरल और महाराष्ट्र से थीं।मंत्रालय के अनुसार, सक्रिय मामलों में अब कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है, जबकि राष्ट्रीय COVID-19 रिकवरी दर बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि 24 घंटे की अवधि में सक्रिय मामलों की संख्या में 127 की कमी दर्ज की गई है। बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,41,36,872 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है।मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत अब तक देश में टीकों की 219.92 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। भारत की COVID-19 संक्रमण टैली ने 7 अगस्त, 2020 को 20 लाख का आंकड़ा पार किया था, 23 अगस्त को 30 लाख, 5 सितंबर को 40 लाख, 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 80 29 अक्टूबर को लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर, 2020 को एक करोड़ का आंकड़ा।देश ने 4 मई, 2021 को दो करोड़, 23 जून, 2021 को तीन करोड़ और इस साल 25 जनवरी को चार करोड़ मामलों के गंभीर माइलस्टोन को पार किया।

विश्व एड्स दिवस पर आयोजित होंगे जन जागरूकता कार्यक्रम : डॉ0 धन सिंह रावत

एचआईवी एड्स के प्रति लोगों को किया जायेगा जागरूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 दिसंबर, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर उत्तराखंड एड्स नियंत्रण समिति के माध्यम से प्रदेशभर में एड्स के प्रति व्यापक स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिसके अंतर्गत जनपद स्तर पर जहां रैलियां निकाली जायेगी वहीं अस्पतालों में गोष्ठियां आयोजित की जायेगी। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत गुरूवार को देहरादून के गांधी पार्क में राज्य स्तरीय एड्स जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारम्भ करेंगे। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेशभर में आम जनमानस को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया जायेगा।

जनपद स्तर पर निकाली जायेंगी रैली, अस्पतालों में होंगी गोष्ठियां

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि विश्व एड्स दिवस के अवसर पर उत्तराखंड एड्स नियंत्रण समिति के माध्यम से प्रदेशभर में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि वह गुरूवार को देहरादून के गांधी पार्क में राज्य स्तरीय जागरूकता रैली का शुभारम्भ करेंगे। इस अवसर पर वह रैली को झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। डॉ0 रावत ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों के तहत जनपद स्तर पर रैलियां निकाली जायेगी जबकि अस्पतालों में गोष्ठियां आयोजित की जायेगी, इसके लिये सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिये गये हैं।

उन्होंने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया जायेगा। विभागीय मंत्री ने बताया कि एचआईवी एड्स की जानकारी एवं बचाव के लिये प्रदेशभर में 164 आईसीटीसी केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जिसमें लोगों को एचआईवी संबंधी

■ स्वास्थ्य मंत्री देहरादून से करेंगे जागरूकता रैली का शुभारंभ

निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 7 एआरटी केन्द्रों के माध्यम से एचआईवी से ग्रसित 5580 व्यक्तियों को निःशुल्क परामर्श एवं दवाएं दी जा रही हैं। डॉ0 रावत ने बताया कि एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर में उच्च जोखिम समूहों को चिन्हित कर एचआईवी/एड्स जागरूकता एवं जांच संबंधी कार्यक्रम लगातार संचालित किये जा रहे हैं, इस मुहिम में गैर सरकारी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जा रहा है। इसके अलावा एचआईवी एड्स के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कॉलेजों एवं शैक्षणिक संस्थानों में रेड रिबन क्लबों की स्थापना की गई है। जिनके जारिये समय-समय पर जागरूकता अभियान संचालित किये जा रहे हैं। डॉ0 रावत ने बताया कि जिला चिकित्सालय कोरोनेशन देहरादून में आईसीटीसी लैब स्थापित कर दी गई है जिसे गुणवत्ता जांच हेतु भारत सरकार द्वारा एनएबीएच प्रामण पत्र प्रदान किया गया है।

विभागीय मंत्री ने कहा कि एचआइवी-एड्स के प्रसार को रोकने के लिए प्रदेश में हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं साथ ही उन्होंने कहा कि एड्स के प्रति जागरूकता के लिए आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जानी होगी।

क्या आप जानते हैं इस फोटो का असली सच ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर हम वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी की बात करे तो इसमें कोई शक नहीं कि बहुत ही कम सालों में टेक्नोलॉजी ने काफी तरक्की की है और जहां पहले लोग लैंडलाइन फोन का इस्तेमाल करते थे, वही अब स्मार्टफोन का इस्तेमाल होने लगा है। वैसे तो आज कल लैपटॉप का जमाना है, लेकिन इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स ऐसा होगा, जिसने कंप्यूटर पर काम न किया हो। बहरहाल कंप्यूटर पर दिखने वाली तस्वीर जिसे करीब एक अरब से ज्यादा लोग तो देख ही चुके होंगे, क्या आप जानते है कि आखिर वो तस्वीर आई कहां से और इस तस्वीर को किसने अपने कैमरे में कैद किया था। अगर नहीं जानते तो चलिए आपको इस बारे में सब कुछ विस्तार से बताते है।

एक अरब से ज्यादा लोग देख चुके है यह तस्वीर

बता दे कि ये कंप्यूटर जनरेटेड वॉलपेपर नहीं बल्कि एक सचमुच की तस्वीर है, जिसके वजूद में आने के पीछे की कहानी बड़ी दिलचस्प है। दरअसल यह तस्वीर फोटोग्राफर चार्ल्स द्वारा ली गई है और इस तस्वीर को लेकर हमेशा से ही सस्पेंस बना रहा है। यहां तक कि एक बार तो चार्ल्स को माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस से फोन भी आया था। जी हां वहां के इंजीनियर्स में शर्त लगी थी और वो चाहते थे कि चार्ल्स खुद आ कर इस मामले को सुलझाए।

बहरहाल बहुत से लोगों को ये लग रहा था कि ये तस्वीर वॉशिंगटन की है और फिर चार्ल्स ने सही जानकारी दे कर इस मामले को सुलझाया था। गौरतलब है कि चार्ल्स ने बताया कि यह तस्वीर अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत की है, जहां नेपा वैली नामक एक जगह है, जिसके पास के कस्बे सोनोमा काउंटी में ये छोटी सी पहाड़ी है। बता दे कि ये साल 1996 की बात है, जब जनवरी के महीने में चार्ल्स अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए कार में निकले थे और हाल ही में उस इलाके में आंधी तूफान आया था। ऐसे में वहां पहली बार मौसम खुला था और फिर सोनोमा हाईवे से गुजरते हुए ही चार्ल्स की नज़र इस पहाड़ी पर पड़ी।

चार्ल्स के पास हमेशा रहता था कैमरा

वही एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर होने के चलते चार्ल्स के पास हमेशा कैमरा मौजूद रहता था। तो उन्होंने इस सुंदर नजारे को अपने कैमरे में कैद कर लिया और इस दौरान उन्होंने थोड़े थोड़े अंतराल के बाद करीब चार फोटो ली तथा वापिस लौट आएं। ये तब की बात है जब चार्ल्स नेशनल जियोग्राफिक चैनल के लिए काम करते थे और उनकी नौकरी में इस तस्वीर का कोई काम नहीं था। जिसके चलते उन्होंने यह तस्वीर स्टॉक करने वाली वेबसाइट कॉर्बिज पर डाल दी। जहां थोड़ी सी लाइसेंसिंग फीस के बाद इस तस्वीर को कोई भी इस्तेमाल कर सकता था।

एक अनोखी शख्सियत, जिसकी मौत पर बेगम ने गहने तक उतार दिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुगल सल्तनत में किन्नर तो बहुत हुए लेकिन इतिहास में नाम दर्ज हुआ जावेद का. जावेद को मौके पर दिमाग का इस्तेमाल करना बखूबी आता था. उसने ऐसा ही किया और मुगल इतिहास का सबसे प्रभावशाली किन्नर बना. किन्नर जावेद की भर्ती मोहम्मद शाह रंगीला के दौर में हुई, लेकिर वो पावरफुल हुआ बादशाह मौत के बाद.मुगलों के साम्राज्य में किन्नरों के पास भी कई तरह की जिम्मेदारियां होती हैं. जैसे- हरम में शाही परिवार की महिलाओं की देखभाल करना क्योंकि यहां किसी पुरुष को आने की अनुमति नहीं थी. अवध के नवाब रहे सफदरजंग ने अफगान आक्रमणकारी अब्दाली को करारी शिकस्त दी. इस जीत के बाद मुगल बादशाह अहमद शाह ने 29 जून 1748 उसे मुग़ल साम्राज्य का वजीर घोषित किया. समय के साथ सफदरजंग का रुतबा बढ़ने लगा, लेकिन उसे चुनौती देने का काम किया किन्नर जावेद ने.जावेद को मौके पर दिमाग का इस्तेमाल करना बखूबी आता था. उसने ऐसा ही किया. वजीर घोषित होने के बाद 1750 में सफदरजंग एक युद्ध पठानों से हार गए और दिल्ली वापस आ गए. जंग में 70 हजार घुड़सवार होने के बावजूद उन्हें तगड़ी शिकस्त मिली. जंग के दौरान जबड़े को छूकर एक गोली निकल गई और वो बाल-बाल बचे.

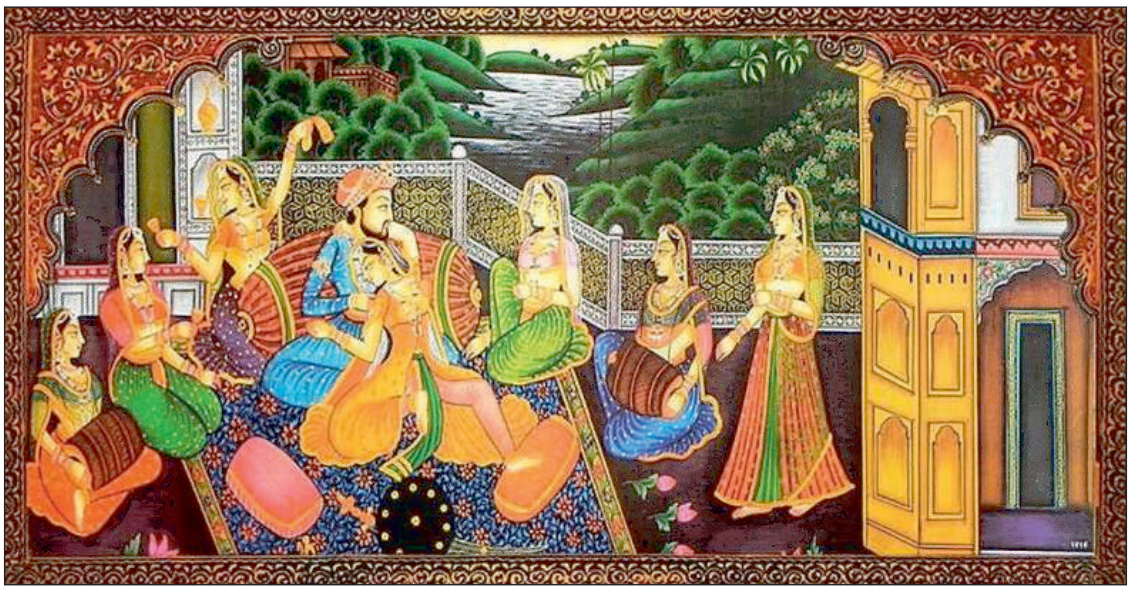

जब किन्नर ने अपना रौब दिखाना शुरू किया

शिकस्त के जब वो दिल्ली आए तो जावेद ने उन्हें अपना रौब दिखाना शुरू किया. इतिहासकार माइकल एडवर्ड लिखते हैं कि मुगलों में एक परंपरा थी कि जंग में हारे हुए वजीर को अपने पद से हट जाना चाहिए. जावेद ने सफदरजंग को मुगलों का वही नियम याद दिलाया. सफदरजंग किसी भी कीमत पर वजीर का पद खोना नहीं चाहते थे, इसलिए रिश्वत के तौर पर उन्होंने जावेद को 70 लाख रुपये दिए. यह रकम देने के साथ इस बात को सुनिश्चित किया कि वो यह बात किसी से साझा न करे.

कब और कैसे इतना ताकतवर हो गया जावेद?

निम्न वर्ग में पैदा हुआ जावेद अनपढ़ था, लेकिन मौके का इस्तेमाल करना और जासूसी करने में माहिर था. उसकी इन्हीं खूबियां के कारण मोहम्मद शाह रंगीला ने उसे हरम का सहायक अधीक्षक बनाया, लेकिन उसकी किस्मत पलटी बादशाह की मौत के बाद. उसने तेजी से तरक्की की. जावेद को 6 हजार मनसबदार का मुखिया बना दिया गया. फिर गुप्तचर विभाग का प्रमुख बनाया गया. इतना ही हीं, उसे नवाब बहादुर की उपाधि से भी नवाजा गया, यह सम्मान पाने वाला वो इकलौता इंसान था.उसकी इस तरक्की के पीछे थीं राजमाता उधमबाई. किताब 'फर्स्ट टु नवाब्स ऑफ अवध' के मुताबिक, जावेद के उधमबाई के साथ अंतरंग सम्बंध थे. वो उस पर आंख बंद करके विश्वास करती थीं. वो नियमों को तार-तार करते हुए बादशाह अहमद शाह की मां उधमबाई के साथ दिन-रात शाही हरम में बिताता था. दिल्ली में इस बात की खूब चर्चा होती थी. राजमाता की छूट के करण वह दिनों-दिन गुस्ताख होता गया. लोगों से बदतमीजी करने लगा. जो भी उसे पसंद न आता उसकी जड़ें काटने लगता.

हर जगह मनमानी और दखलअंदाजी

जावेद और वजीर की कभी नहीं बनी. जावेद ने सफदरजंग के कई भरोसेमंदों को बड़ी चतुराई से अपने खेमे में शामिल कर लिया था. यहां तक कि वजीर के कई फैसलों में उसने दखलंदाजी और उसे लागू भी कराया. सल्तनत में कई जगहों पर वजीर के आदमी को हटाकर अपने शागिर्द तैनात किए. सफदरजंग को एक बात समझ आ गई थी कि जब तक ये रहेगा तब तक वो सिर्फ नाम का वजीर रहेगा.

हत्या की योजना बनी

सफदरजंग ने उसे हमेशा से हटाने के लिए हत्या की साजिश रची. उसने अपने विश्वासपात्र राजा सूरजमल और जयपुर के राजा माधवसिंह को किसी न किसी बहाने से दिल्ली सेना लेकर आने को कहा. दोनों ही इसके लिए रजी हो गए.दोनों के राज्य में आने पर वो पहले किससे मिलेंगे वजीर से या फिर जावेद से, यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ. दोनों ही चाहते कि मेहमान पहले उनसे मिलें. मुगल बादशाह से इसका हल निकाला कि वो दोनों से मुलाकात वजीर के घर पर करेंगे. इस तरह मौके पर वजीर और जावेद दोनों मौजूद थे. तारीख थी 6 सितंबर 1752.दोनों से मुलाकात के बाद सफदरजंग जावेद को एक कमरे में ले गया. पहले उसके राजकाज से जुड़े मामलों को लेकर बसस की फिर कहा कि मुझे कुछ काम है. यह कहते हुए वो निकल गया. जैसे ही वो निकला कमरे में पहले से छिपे अली बेग ने जावेद के पेट पर हमला कर दिया. फिर तलवार से उसे काट डाला. लाश को यमुना के किनारे पर फेंक दिया.जब यह बात राजमाता और बादशाह अहमद शाह को पता चली तो दोनों ही गम में डूब गए. दोनों की आंखों में आंसू भर गए. मशहूर इतिहासकार सर जदुनाथ सरकार ने अपनी क़िताब 'फॉल ऑफ द मुग़ल एम्पायर' में लिखा है कि जावेद की मौत से बादशाह और उनकी मां को गहरा आघात पहुंचा. कहा जाता है कि मौत की खबर सुनने के बाद उधमबाई ने विधवा की तरह सभी गहरे उतार दिए और सफेद कपड़े पहन लिए.

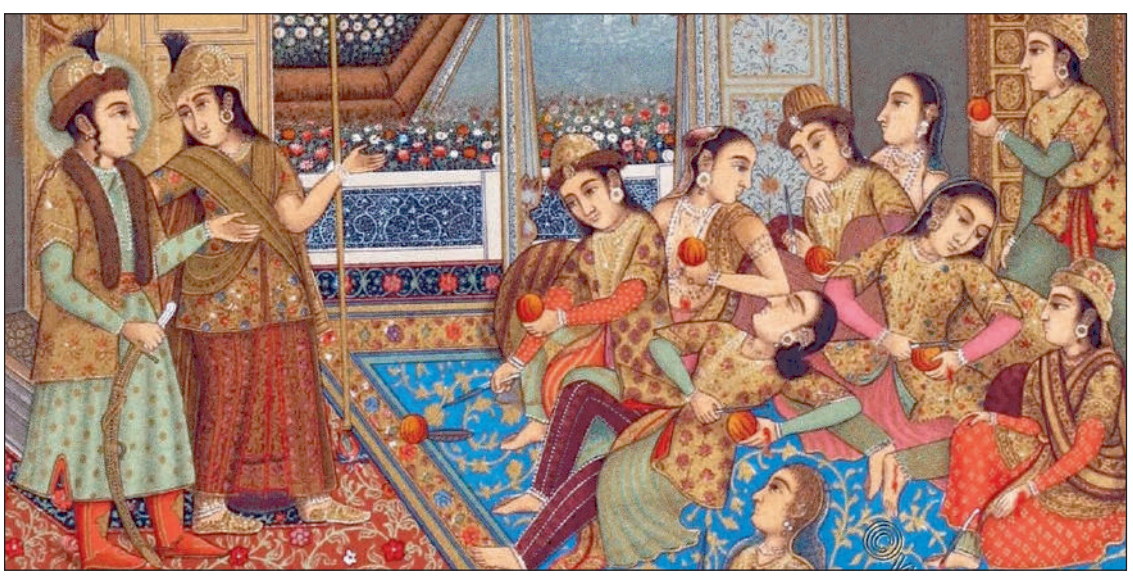

पिथौरागढ़ से फिक्सड विंग एयरक्राफ्ट सेवाएं 31 जनवरी से शुरू होगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसंबर , केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर जानकारी दी है कि उडान 5.0 के टेंडर में चिन्यालीसौड व गौचर से छोटे एयरक्राफ्ट की सेवाओं को शामिल किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में यह भी बताया कि पिथौरागढ़ से फिक्सड विंग एयरक्राफ्ट सेवाएं शुरू करने के लिए फ्लाई बिग एयरलाइन को निर्देशित कर दिया गया है। फ्लाई बिग द्वारा 31 जनवरी 2023 से इसका संचालन शुरू किया जाएगा। इसके तहत पिथौरागढ़-पंततनगर, पंततनगर-पिथौरागढ़, पिथौरागढ़-हिंडन, हिंडन-पिथौरागढ़, पिथौरागढ़-देहरादून, देहरादून-पिथौरागढ़ रूट पर फिक्सड विंग सेवाएं फ्लाई बिग द्वारा संचालित की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में अवगत कराया है कि पंततनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने के लिए एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया द्वारा 9 नवम्बर 2022 को ओएलएस सर्वे किया गया। इसका चार्ट बनाया जा रहा है। प्रि-फीजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विस्तारीकरण के लिए राज्य सरकार से मानको के अनुरूप भूमि उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया है। गौरतलब है कि 27 नवम्बर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से दिल्ली में भेंट कर उत्तराखण्ड में नागरिक उड्डयन इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और एयर कनेक्टीवीटी को बढाने के संबंध में विभिन्न बिंदुओं पर अनुरोध किया था। उन्हीं बिंदुओं पर की गई कार्यवाही और अद्यतन स्थिति की जानकारी जानकारी केंद्रीय मंत्री ने 30 नवम्बर के अपने पत्र मे मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को दी है।

वन्य जीवों के हमले में मारे गये व्यक्तियों के परिजनों को 50 लाख दे सरकार : करन माहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसंबर , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने वन्य जीवों द्वारा लगातार पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों पर किये जा रहे हमलों को रोकने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर लोगों की पीड़ा से अवगत कराते हुए कहा कि राज्यभर में जंगली जानवरों का आतंक छाया हुआ है। विगत तीन वर्षों में विभिन्न जंगली जानवरों ने अनेक लोगों की जानें ली हैं और सैकड़ों लोगों को घायल किया है। जिसमें गुलदार, ने 66, हाथी ने 28, बाघ ने 13, भालू ने 05 एवं सांपों के काटने से 44 लोग अपनी जानें गवां चुके हैं। करन माहरा ने कहा कि प्रदेश में जंगली जानवरों के हमले के कारण भय और आतंक का माहौल बना हुआ है।

विगत कुछ ही दिनों के अन्तर्गत लगभग 161 लोग वन्यजीवों के हमले के शिकार हुए हैं। जबकि 641 लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। श्री महरा ने कहा कि इन आकंड़ों को देखकर स्वतः ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जंगली जानवरों का कितना आतंक छाया हुआ है। जंगली जानवरों द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को अपना निवाला बनाया जा रहा है। जिससे पर्वतीय क्षेत्र के लोगों में दहशत फैली हुई है। सरकार द्वारा जंगली जानवरों के हमले में मारे गये लोगों के परिजनों को पर्याप्त मात्रा में मुआवजा भी नही दिया जा रहा है। वर्तमान में जो भी मुआवजा दिया जाता है वह बहुत ही कम है। अध्यक्ष करन माहरा ने मुख्यमंत्री को सुझाव देते हुए कहा कि जंगली जानवरों के हमले में मारे गये व्यक्तियों के परिजनों को 50 लाख तथा घायल व्यक्तियों को 10 लाख का मुआवजे की राशि दिया जाना नितान्त आावश्यक है। माहरा ने सुझाव देते हुए कहा है कि वन विभाग द्वारा गांव-गांव जन जागरण अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाय तथा वन्य जीव एवं मानव संघर्ष को रोकने की दिशा में समुचित कदम उठाये जाना नितान्त आवश्यक है।

उत्तराखंड : इस बार पहाड़ों पर कड़ाके की सर्दी नहीं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में पूरे नवंबर में तापमान सामान्य से ऊपर रहने के साथ, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अब दिसंबर के महीने में लगभग इसी तरह की स्थिति की भविष्यवाणी की है।आईएमडी के दीर्घकालिक मौसमी दृष्टिकोण के अनुसार, दिसंबर के पहले पखवाड़े में मौसम की स्थिति शुष्क रहने की संभावना है और इसके परिणामस्वरूप, अधिकांश स्थानों पर पारा सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है।

हिमालयी राज्य।क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा, ₹मौजूदा दीर्घकालिक पूर्वानुमान पूरे उत्तराखंड में कम से कम 15 दिसंबर तक शुष्क मौसम दिखा रहा है।

दूसरे पखवाड़े में मौसम की स्थिति में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव की नगण्य संभावना है। जैसा कि नतीजतन, तापमान सामान्य से ऊपर ही रहने की संभावना है।₹वर्तमान में, राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस अधिक चल रहा है।उदाहरण के लिए, देहरादून में अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।सिंह ने कहा कि यदि दिसंबर का महीना शुष्क रहता है, जैसा कि वर्तमान पूर्वानुमान से पता चलता है, तो राज्य में जनवरी में ₹हल्की सर्दी₹ देखी जा सकती है, जो आमतौर पर साल का सबसे ठंडा महीना होता है।सिंह ने कहा, ₹अगर दिसंबर में कम बारिश की वजह से नमी नहीं होगी तो जनवरी में भी तापमान बहुत कम नहीं गिरेगा। हमने पिछले वर्षों में भी इसी तरह के पैटर्न देखे हैं।

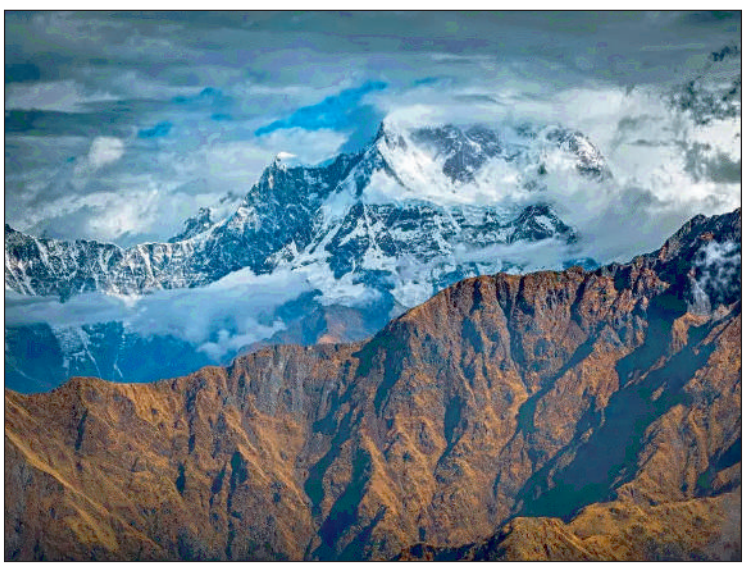

रानीखेत में गुलदार ने बुजुर्ग को मार डाला, 18 घंटे बाद मिला क्षतविक्षत शव, आधा हिस्सा गायब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रानीखेत। पर्वतीय क्षेत्रों में मानव-गुलदार टकराव ने चिंता बढ़ा दी है। द्वाराहाट में मां-बेटे समेत तीन से आमना सामना होने के बाद इसी ब्लाक के दैना गांव में गुलदार ने बुजुर्ग ग्रामीण को मार डाला। घटना के करीब 18 घंटे बाद बुजुर्ग का क्षतविक्षत शव बरामद किया गया है। शरीर का आधा हिस्सा गुलदार खा चुका था।

इधर, गम व गुस्से के बीच नाराज ग्रामीणों ने शव नहीं उठाने दिया। डीएफओ महातिम सिंह यादव के हिंसक वन्यजीव को मानवजाति के लिए खतरा मान वन्यजीव प्रतिपालक को अवगत कराने व पिंजड़ा लगाने पर ही गांव वाले माने।

मामला मंगलवार शाम को तहसील क्षेत्र में कालीगाढ़ पट्टी की कुंवाली घाटी स्थित दैना गांव का है। यहां के 65 वर्षीय मोहन राम पुत्र स्व. प्रेमराम घर से करीब सौ मीटर दूर निचले भूभाग पर गाय को घर लाने के लिए निकले। तभी झाड़ियों में पहले से घात लगाए गुलदार ने बुजुर्ग पर हमला बोल दिया। मोहन राम को मार डालने के बाद वह उसे गधेरे की ओर घसीट ले गया।

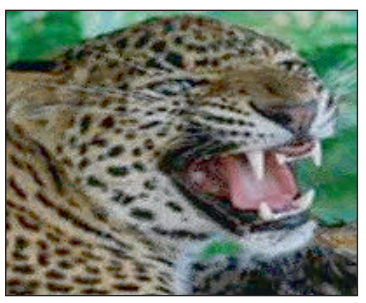

इधर, शाम तक ग्रामीण घर नहीं लौटा तो स्वजनों की चिंता बढ़ी। संभावित क्षेत्र व आसपास के जंगलात में देर रात तक तलाश की गई। बुधवार की सुबह आठ बजे दोबारा खोज शुरू की गई। जिस खेतनुमा मैदान पर वह गाय को चुगने छोड़ आता था, वहां पर खून बिखरा पड़ा था। कुछ आगे खून से सने कपड़े मिले और गांव से लगभग एक किमी दूर गधेरे में मोहन राम का क्षत विक्षत शव बरामद हुआ। शरीर का आधा हिस्सा गायब था।

2023 के अंत तक सैन्य धाम का निर्माण कार्य करेंगे पूर्ण : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 दिसंबर , सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रेमनगर भाऊवाला स्थित ग्राम-रामपुर में वीर शहीद अनुसुया प्रसाद मेमोरियल समिति द्वारा 10 महार रेजिमेंट के वीर नायक शहीद अनुसूया प्रसाद की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता टीम को पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री ने वीर नायक शहीद अनुसूया प्रसाद की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद, महावीर चक्र से अंलकृत अनुसूया प्रसाद का देश की रक्षा के लिए दिया सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र हमेशा स्मरण रखेगा। इस दौरान मंत्री जोशी ने शहीद की स्मृति में आयोजित सप्तम बैडमिंटन प्रतियोगिता की विजेता टीम को ट्राफी ओर 15 हजार रूप का डमी चेक के वितरित कर सभी प्रतिभागियों को भी बधाई ओर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शाहिद की वीरांगना ओर शाहिद की माता जी ने मंत्री जोशी को भागवत गीता की पुस्तक भेंट की।

वहीं सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा हमारी सरकार शहीदों की पूर्ण चिंता करती है,उन्होंने कहा कारगिल युद्ध के बाद शहीद का पार्थिव शरीर सम्मान के साथ उसके पैतृक आवास लाया जाता है। मंत्री जोशी ने कहा राज्य सरकार ने वर्ष 2018 के बाद शहीद हुए वीरों के परिजनों को राज्य सरकार में उनकी योग्यता के अनुरूप सरकारी नौकरी देने का काम कर रही है। मंत्री जोशी ने कहा हंस फाउंडेशन के सहयोग से हमने वीर शहीद का स्मृति द्वार भी निर्मित करवाया है। उन्होंने कहा आज सैनिकों के सम्मान में देहरादून में भव्य सैन्यधाम निर्माण किया जा रहा है,जिसका निर्माण कार्य गतिमान है। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के स्वरूप उत्तराखण्ड में सैन्य धाम निर्माण हो तथा एक सैनिक होने के नाते यह मेरा भी ड्रीम प्रोजेक्ट ओर दृढ़ संकल्प है कि उत्तराखण्ड का सैन्य धाम यहां के चार धामों की तरह ही विकसित हो। मंत्री जोशी ने कहा कि सैन्य धाम को भव्य रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा देश के विभिन्न स्मारकों का अध्ययन करके सैन्य धाम के डिजाइन को अंतिम रूप दिया है। मंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि 2023 के अंत तक हम सैन्य धाम का निर्माण पूर्ण कर लेंगे।

इस अवसर पर सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर, शहीद की वीरांगना चित्रा देवी, गुरु राम राय इंटर कॉलेज भाऊवाला के प्रधानाचार्य, दून हेरिटेज स्कूल भाऊवाला के प्रधानाचार्य एवं समाज सेवी रवि नेगी, पिंडर घाटी संस्था के अध्यक्ष रावल, अनिल गौड, मोहन गौड, प्रदीप पुंडीर एवं समिति के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

आखिर ब्राउन या व्हाइट एग में क्या है फर्क और फायदा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , इसमें कोई दोराय नहीं कि जो लोग अंडे खाने के शौकीन होते है, वे केवल ब्रेकफास्ट में ही नहीं बल्कि लंच और डिनर में भी अंडे को शामिल करते है। हालांकि कुछ लोग आज भी इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे है कि आखिर कौन से अंडे सेहत के लिए फायदेमंद होते है। जी हां ज्यादातर लोग ब्राउन या व्हाइट एग दोनों को लेकर अक्सर कंफ्यूजन में रहते है कि इन दोनों में से कौन से अंडे ज्यादा हेल्दी होते है। तो चलिए अब आपको बताते है कि आखिर सर्दियों में या किसी भी मौसम में कौन से अंडे खाना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

आखिर ब्राउन या व्हाइट एग में क्या है फर्क ?

यहां गौर करने वाली बात ये है कि जब सेहत बनाने की बात आती है तो अक्सर लोग ब्राउन चीजों को ही ज्यादा पसंद करते है। जैसे कि ब्राउन राइस, ब्राउन शुगर, ब्राउन ब्रेड और अब ब्राउन एग भी है। बहरहाल कुछ लोगों का मानना है कि देसी अंडे यानि ब्राउन एग वास्तव में व्हाइट एग की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होते है। दरअसल अंडा प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है और अंडे में प्रोटीन के साथ कैल्शियम भी मौजूद होता है। जो हड्डियों को मजबूत बनाएं रखने में मदद करता है और इतना ही नहीं इसके इलावा अंडे का सेवन करके आप अपने वजन में भी फायदा हासिल कर सकते है।जी हां सर्दियों में अंडा खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसके लिए कौन से रंग के अंडे का सेवन करना चाहिए, ये जानना बेहद जरूरी है। बता दे कि देसी अंडे भूरे रंग के होते है, जब कि पोल्ट्री के अंडे सफेद रंग के होते है और बहुत से लोगों का ये मानना है कि ब्राउन अंडे, व्हाइट अंडे की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होते है। ऐसे में हम आपको बताना चाहते है कि अंडे के पौष्टिक होने का फर्क उसके रंग से नहीं बल्कि मुर्गियों की डाइट से तय किया जाता है। वो ऐसे कि सूर्य के संपर्क में रहने वाली और अच्छा ोषण खाने वाली मुर्गियों के अंडों में पौष्टिक तत्व ज्यादा होते है, जब कि बंद कमरों और सही आहार न पाने वाली मुर्गियों के अंडों में कम पोषक तत्व होते है।

कौन से रंग के अंडे होते है ज्यादा पौष्टिक :

यही वजह है कि फॉर्म में मौजूद मुर्गियों के अंडों के रंग सफेद होते है, क्योंकि इन मुर्गियों को अक्सर पोषक आहार खाने के लिए नहीं दिया जाता। जिसके कारण इनके अंडे में पोषक तत्व कम होते है। वही देसी मुर्गियां जिन्हें घरों में पाला जाता है, उन्हें काफी पौष्टिक चीजें दी जाती है। इसलिए इन मुर्गियों के अंडे ब्राउन और पौष्टिक होते है। यही वजह है कि ब्राउन अंडों में प्रोटीन, कोलेस्ट्रॉल और कैलोरी भी ज्यादा होती है। जी हां ब्राउन अंडों में ज्यादा ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है।हालांकि अगर हम इनके स्वाद की बात करे तो दोनों के स्वाद में ज्यादा फर्क नहीं होता। केवल इतना सा फर्क होता है कि ब्राउन अंडे का पीला हिस्सा सफेद अंडे की तुलना में ज्यादा गहरे पीले रंग का होता है। यानि अगर हम सीधे शब्दों में कहे तो दोनों मुर्गियों के अंडों में केवल पौष्टिक आहार का फर्क होता है।इस बारे में न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में पीली जर्दी के साथ एक अंडा ही खाना चाहिए। जब कि अगर आप अंडे का सफेद भाग खा रहे है तो आप तीन से चार अंडों का भी सेवन कर सकते है।

साहब मकान तो मिल गया अब बीबी चाहिए, अजीब मामला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , रायबरेली-शामली के ढाई फुट लम्बाई वाले अज़ीम मंसूरी की शादी के बाद सोनिया गांधी के सांसदीय क्षेत्र रायबरेली के मोहम्मद शरीफ के अरमान भी जगे हैं. ढाई फुट के मोहम्मद शरीफ ने सरकारी घर डीएम माला श्रीवास्तव ने दिलाने के बाद जिला प्रशासन से घरवाली की व्यवस्था कराये जाने की गुहार लगाई है. शरीफ ने ज़िलाधिकारी को अपना निकाह सामूहिक विवाह के दौरान कराये जाने की गुहार लगाई है. यहां महाराजगंज तहसील के रहने वाले शरीफ का शारीरिक विकास नहीं हो सका है और 40 साल की उम्र पहुंचने के बाद भी वह महज़ ढाई फिट के हैं. कोई काम धाम न करने के चलते परिवार वालों ने घर से निकाला तो प्रशासन से काफी पहले आवास की गुहार लगाई थी. ज़िला प्रशासन ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास के तहत घर तो दे दिया लेकिन यहां अकेलापन उन्हें कचोटने लगा. इसी अकेलेपन को दूर करने के लिए शरीफ ने ज़िलाधिकारी माला श्रीवास्तव की चौखट पर दस्तक दी है और मांग की है कि उसे अब बीबी उपलब्ध कराई जाए.

साहब मकान तो मिल गया अब बीबी चाहिए

मोहम्मद शरीफ ने जिला प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि वह शारीरिक रूप से अविकसित होने के चलते काम काज करने में अक्षम हैं. किसी तरह रिश्तेदार या जानने वाले उनके पेट भरने का इंतज़ाम करते हैं. उन्होंने अब ज़िला प्रशासन से रोटी के साथ ही रोटी पकाने

वाली दिलाये जाने की गुहार लगाई है. मोहम्मद शरीफ ने ज़िलाधिकारी से गुहार लगाई है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं में से उनके लिए उपयुक्त योजना से उनकी आर्थिक मदद के साथ ही निकाह कराया जाये.

डीएम ने एडीएम प्रशासन को पत्र किया मार्क

मोहम्मद शरीफ द्वारा दिये गए पत्र पर ज़िलाधिकारी माला श्रीवास्तव ने संज्ञान लेते हुए पत्र को एडीएम प्रशासन के हवाले करते हुए उस पर कार्रवाई का निर्देश दिया है. मोहम्मद शरीफ का कहना है की जिला प्रशासन ने उसे मकान उपलब्ध करा दिया है अब उसे रोटी पोने वाली बीबी भी उपलब्ध करवा दे.

दिलकश नजारों में से एक है नैनीताल का सनसेट पॉइंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , उत्तराखंड के नैनीताल में घूमने के लिए काफी खूबसूरत जगहें हैं। यहां की झील पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। हालांकि शहर के आसपास भी कई ऐसी जगह हैं, जो घूमने के लिए या फिर कुछ पल शांति से बिताने के लिए मशहूर है। इन्हीं में एक नाम आता है सनसेट पॉइंट का। इसका नाम ही इस जगह की पहचान है।

नैनीताल शहर से महज डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर नैनीताल-हल्द्वानी मुख्य सड़क पर हनुमान गढ़ी क्षेत्र में एक जगह सनसेट पॉइंट के नाम से काफी मशहूर है। शाम चार बजे के बाद इस जगह पर टहलने, बैठने और शांत वातावरण का आनंद लेने के लिए काफी पर्यटक पहुंचते हैं।

सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र है यहां से ढलते हुए सूरज का नजारा। अक्सर पहाड़ी क्षेत्रों में शाम के समय सूरज पहाड़ी के पीछे छिप जाता है, जो पहाड़ के लोगों के लिए सूरज ढलने जैसा ही है, लेकिन हनुमान गढ़ी क्षेत्र से दिखाई देने वाला ढलता सूरज हॉरिजन में ढलता हुआ साफ दिखाई देता है। क्षितिज उस जगह को कहा जाता है, जहां दूर दिखाई देने पर आसमान और धरती एक दूसरे से मिलते हुए जैसे लगते हैं। यह एक तरह की काल्पनिक सीमा होती है। इस जगह पर सूरज और उसके आसपास का रंग नारंगी और हल्का पीला दिखता है, जो प्रकृति के अद्भुत नजारों में से एक है। क्षितिज उस जगह को कहा जाता है, जहां दूर दिखाई देने पर आसमान और धरती एक दूसरे से मिलते हुए जैसे लगते हैं। यह एक तरह की काल्पनिक सीमा होती है। इस जगह पर सूरज और उसके आसपास का रंग नारंगी और हल्का पीला दिखता है, जो प्रकृति के अद्भुत नजारों में से एक है.नैनीताल घूमने आए पर्यटक का कहना है कि वह तीन दिन के लिए यहां घूमने आए थे। नैनीताल की आस पास की जगहों को घूमने, झील में बोटिंग करने के बाद उन्होंने यहां ढलते हुए सूरज को देखने का प्लान बनाया था। इस जगह से सनसेट देखकर वह काफी खुश हैं और यह नजारा उन्हें हमेशा याद रहेगा.

भारत सरकार से पीएमजीएसवाई में 220 करोड़ 25 लाख रूपये की राशि जारी

- ग्रामीण विकास मंत्रालय,भारत सरकार ने पीएमजीएसवाई की दूसरी किश्त के दूसरे अंश के रूप में जारी की राशि
- सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह का आभार व्यक्त किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 दिसंबर,भारत सरकार से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 220 करोड़ 25 लाख रूपये की राशि उत्तराखण्ड को जारी की गई है। ग्रामीण विकास मंत्रालय,भारत सरकार ने पीएमजीएसवाई की दूसरी किश्त के दूसरे अंश के रूप में यह राशि जारी की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के सहयोग से राज्य में कनेक्टीवीटी में अभूतपूर्व हो रहे है।

1 दिसंबर से बदलने वाले हैं कई नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , दिसंबर में कुछ नियमों में बदलाव (Rules changes from 1st December 2022): नए महीने का पहला दिन जहां लोगों की सैलरी से जेब गर्म करता है, वहीं दूसरी ओर बहुत सारे खर्चे लेकर भी आता है इसलिए कहा जाता है कि महीने की पहली तारीख खुशी और गम दोनों लेकर आती है यही नहीं महीने के पहले दिन बदलाव भी बहुत ज्यादा होते हैं। दिसंबर की पहली तारीख भी इससे अछूती नहीं है।

CNG,PNG और LPG के दाम घटेंगे?

हर महीने की पहली तारीख को CNG,PNG और LPG के दाम अपडेट किए जाते हैं। एक नंवबर को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 115 रुपये सस्ता हुआ था। इस बार इसके दामों में परिवर्तन हो सकता है।

Life Certificate की अंतिम तारीख

अगर आप पेंशनधारी हैं और अपना Life Certificate आपने जमा नहीं किया है तो तुरंत जमा करा दीजिए क्योंकि आज लाइफ सार्टिफिकेट जमा कराने की अंतिम तारीख है। आप ऑनलाइन भी अपना सार्टिफिकेट जमा करा सकते हैं। मालूम हो कि लाइफ सार्टिफिकेट जमा ना कराने की सूरत में आपकी पेंशन रूक सकती है।

ATM से कैश निकालने का बदलेगा नियम

1 दिसंबर से पीएनबी बैंक ने ATM से कैश निकालने के नियम में परिवर्तन कर सकता है। अब एटीएम से पैसे निकालते वक्त आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक OTP आएगा, जिसे आपको ATM की स्क्रीन पर सबमिट करना होगा , उसके बाद ही धनराशि आपको

मिलेगी।

YES Bank की बैलेट सर्विस बंद

1 दिसंबर से YES Bank अपनी बैलेट Alert सर्विस को बंद कर रहा है। गुरुवार के बाद से ये सर्विस उन्हीं को मिल पाएगी जिनका सब्सक्रिप्शन पैकेज बचा हुआ है।

ट्रेनों के टाइम में बदलाव

अगर आप कहीं यात्रा करने जा रहे हैं तो घर से निकलने से पहले ट्रेनों का समय जरूर चेक कर लें क्योंकि बढ़ती सर्दी और कोहरे के प्रकोप के चलते 1 दिसंबर से कई ट्रेनों के समय में बदलाव होने जा रहा है।

13 दिन रहेंगे बैंक बंद

दिसंबर में 13 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। इस महीने क्रिसमस और गुरु गोविंद सिंह जैसे पर्व पड़ने से छुट्टियां बढ़ गई हैं तो वहीं इस बार महीने में चार संडे हैं तो वहीं सेंकड और फोर्थ शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे।

RBI लॉन्च करेगा डिजिटल रुपया

भारतीय रिजर्व बैंक ने ऐलान किया है कि खुदरा डिजिटल रुपए के लिए पहला पायलट 01 दिसंबर, 2022 को लॉन्च होगा। पहला चरण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ शुरू होगा।

पौड़ी पुलिस ने कायम की ईमानदारी की मिसाल, जानिए कैसे ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 1 दिसंबर , जब पौड़ी पुलिस हो साथ, तो हर मुश्किल आसान , जी हाँ सही पढ़ा आपने , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे लगातार अपने अधीनस्थ कार्मिकों को आमजन की सहायता एवं Victim Oriented Policing के लिये प्रोत्साहित कर रही हैं। इसका असर तब देखने को मिला जब रुप कान्ति पटेल, निवासी- सुंदरगढ़ उड़ीसा ने यातायात कार्यालय श्रीनगर को सूचना दी कि वह अपनी पुत्री का दाखिला कराने के लिए वाहन संख्या UK11-PA 0036 में ऋषिकेश से श्रीनगर आयी थी।

श्रीनगर यूनिवर्सिटी में उतरते वक्त उनका बैग गाड़ी में ही छूट गया, जिसमें लैपटॉप, किताबें व अन्य आवश्यक सामान था। इस मामले को गंभीरता सेव लेते हुए यातायात उपनिरीक्षक नीरज शर्मा मय पुलिस टीम द्वारा तेज़ कार्यवाही करते हुये बस नंबर के माध्यम अथक प्रयास कर बस चालक का मोबाइल नंबर लेकर बस चालक से संपर्क किया गया। सम्पर्क होने के पश्चात चालक द्वारा बताया गया कि बस कर्णप्रयाग पहुंच चुकी है।

यातायात उपनिरीक्षक द्वारा बस चालक से उक्त बैग को कर्णप्रयाग से श्रीनगर आने वाले किसी वाहन से सकुशल यातायात कार्यालय श्रीनगर पहुंचाने का आग्रह किया गया। बस चालक द्वारा बैग यातायात कार्यालय श्रीनगर पहुँचाने पर परेशां महिला को सूचित किया गया और बैग को सकुशल महिला के सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ बैग पाकर महिला द्वारा पौड़ी गढ़वाल पुलिस की प्रसंशा कर आभार व्यक्त किया गया।इस तरह से मित्र पुलिस ने एक बार फिर अपनी मनवीर सेवा को साबित किया है।

नमकीन चाय पीकर तो देखिये हुज़ूर खुल जायेगा नाक, कान और गला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 दिसंबर ,हल्दी से तैयार नमकीन चाय स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण स्वास्थ्य की कई परेशानियों को कम कर सकता है। साथ ही सर्दियों के दिनों में गले में होने वाली परेशानियों को कम करने के लिए आप इस चाय का सेवन कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे तैयार करें हल्दी की चाय और इसके क्या फायदे हैं? हम में से अधिकतर लोग मीठी या फिर फीकी चाय का सेवन करते हैं। मीठी चाय जहां स्वास्थ्य के लिए अनहेल्दी मानी जाती है तो वहीं फीकी चाय स्वाद में अच्छी न होने की वजह से कई लोग इसका सेवन नहीं करते हैं। ऐसे में नमकीन चाय आपके लिए एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है, जो स्वाद में बेहतर होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए हेल्दी भी होती है। जी हां, नमकीन चाय, हल्दी से तैयार किया जाता है, जो कई तरह से आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। आज हम इस लेख में नमकीन चाय

यानि हल्दी की चाय की रेसिपी और फायदों के बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं कैसे तैयार की जाती है हल्दी की चाय?

हल्दी की चाय की रेसिपी

अब आपको बताते हैं इस चाय में क्या क्या ज़रूरी है –

हल्दी – आधा चम्मचपानी – 1 कपकाली मिर्च पाउडर – 1 चुटकीकाला नमक – 1 चुटकीनींबू का रस – स्वादानुसार

अब समझ लीजिये इस दिव्य चाय को बनाने की विधि –

हल्दी की चाय को तैयार करने के लिए 1 कप पानी को गर्म करें। जब यह अच्छी तरह से गर्म हो जाए तो इसमें काली मिर्च पाउडर और हल्दी डालें और गर्म होने दें। इसके बाद जब पानी अच्छी तरह से गर्म हो जाए तो इसे छान लें। अब इसमें काला नमक और थोड़ा सा नींबू का रस मिक्स करें। इसके सेवन से आप गले की खराश से लेकर कई परेशानियों को दूर कर सकते हैं।

बहादुर लड़की : छात्रा ने सिखाया गुंडे को ऐसा सबक पुलिस ने दी शाबाशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 दिसंबर। देहरादून कारगी चौक स्थित शिवालिक कॉलोनी लेन न 2 में गोली चलने की सूचना पर पहुंची पटेल नगर पुलिस, आपको बता दे की 112 पर अज्ञात व्यक्ति से सूचना प्राप्त हुई की शिवालिक कॉलोनी लेन नंबर 2 में गोली चली, रात करीब साढ़े आठ बजे कोचिंग से घर लौट रही नौवीं की छात्रा घर से करीब 300 मीटर पीछे मोड़ के पास पहुंची तो अंधेरी गली में खड़े दो मनचलों ने रोक लिया। दोनों के चेहरे ढके हुए थे।

अचानक इनमें से एक बदमाश ने तमंचा निकाला और छात्रा पर तान दिया। इससे पहले कि वह फायर करता छात्रा ने हाथ पकड़कर तमंचे का रुख ऊपर की ओर कर दिया। इससे फायर हवा में हुआ और घबराहट में वह पीछे की ओर गिर गई। अचानक वह उठी और मनचलों पर झपट पड़ी। यह देख दोनों भाग निकले। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के घरों से लोग बाहर आ गए। उन्होंने छात्रा

को उठाया और पुलिस को फोन किया।कुछ देर बाद पटेल नगर पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन, दोनों युवक भाग चुके थे। छात्रा ने पुलिस को बताया कि दोनों युवकों ने मंकी कैप पहनी थी। उनकी सिर्फ आंखें दिख रही थीं। इंस्पेक्टर पटेल नगर सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि युवकों की तलाश में क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं। परिजनों की शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शिवालिक एनक्लेव में रात करीब नौ बजे तक आवाजाही रहती है। मोड़ पर एक दुकान खुली रहती है। रात लगभग आठ से साढ़े आठ बजे के आसपास सभी लोग घरों में चले जाते हैं। घटना के बाद वहां दहशत का माहौल है। लोगों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है।

तीन दिसंबर को देहरादून सहित छह जगहों पर लगेगा पासपोर्ट मेला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसंबर , क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय देहरादून की ओर से तीन दिसंबर को हाथीबड़कला देहरादून सहित छह पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) में पासपोर्ट मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में ऑनलाइन आवेदन के साथ ही अप्वाइंटमेंट सीट के साथ आना होगा।क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने बताया कि मेले का आयोजन देहरादून के साथ ही अल्मोड़ा, नैनीताल, काठगोदाम, रुद्रपुर, रुड़की और श्रीनगर स्थित पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र में होगा। आवेदक को उंगलियों के

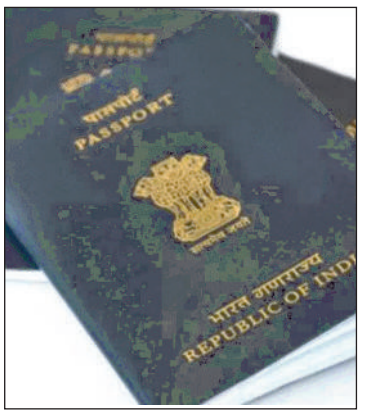

निशान और फोटो उपलब्ध करवाने के लिए पासपोर्ट मेले में स्वयं उपस्थित होना आवश्यक है। कहा कि आवेदक अपने अप्वाइंटमेंट सीट के प्रिंट आउट, सभी दस्तावेजों की मूल प्रतियों एवं उसकी फोटो प्रतियों को लेकर आएं। कहा कि मेले में नए आवेदकों के साथ ही उन आवेदकों के पासपोर्ट बनाए जाएंगे जो अपना आवेदन पुनर्निर्धारित करना चाहते हैं। कहा कि आवेदक को केवल एक बार पुनःनिर्धारत की अनुमति होगी।

सर्दी के मौसम में हृदयाघात की बड़ी 3 वजह जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , यह दिल का मामला है और सर्दियों में धमनियों के सिकुड़ने के साथ हृदय कार्य बढ़ने से लोगों में हृदयाघात ज्यादा देखने को मिल रहा है। हृदयाघात को आम तौर पर दिल के दौरे के रूप में जाना जाता है। इसमें दिल के कुछ भागों में रक्त संचार में बाधा होती है। हृदयाघात के बाद तीन घंटे उपचार के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इंजेक्शन देने से मरीज को लाभ मिलता है और उसकी जान को बचाया जा सकता है, जबकि लोग गैसट्रिक मान उसकी दवाएं खाते रहते हैं और तब तक देर हो जाती है और इंजेक्शन का असर नहीं होता

तीन कारण बन रहे वजह

चिकित्सकों के अनुसार दिनचर्या में परिवर्तन, जिसमें शारीरिक श्रम में कमी और फास्ट फूड का ज्यादा सेवन हृदयाघात के साथ अन्य बीमारियों का कारण बन रहा है।

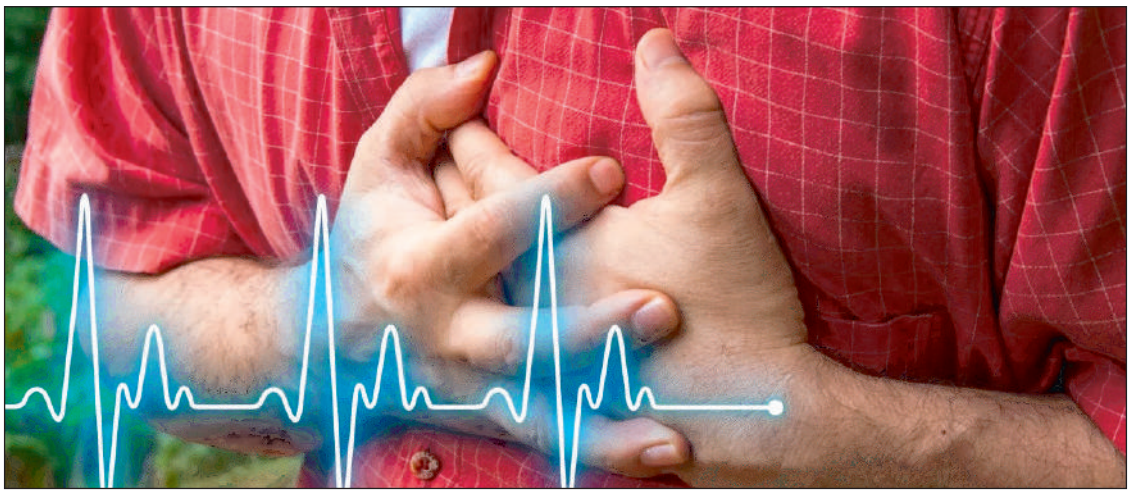

प्रदेश में सर्दियों के दौरान हर माह करीब 250 लोगों को हृदयाघात होता है। इनमें आठ प्रतिशत की मृत्यु हो जाती है। 25 वर्ष के युवाओं में भी हृदयाघात के मामले आ रहे हैं। सीएचसी स्तर पर भी हृदयाघात का उपचार प्रदान किया जा रहा है और डाक्टरों को इंजेक्शन का प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस कारण हृदयाघात से होने वाली मौतों में कुछ कमी आई है।

हृदयाघात का मुख्य कारण लोगों का खराब लाइफ स्टाइल यानि दिनचर्या, शारीरिक श्रम में कमी है। डायबिटीज, बीपी और हायपरटेंशन इस रोग को ज्यादा बढ़ा रहा है। हृदय रोग से बचाव का सबसे कारगर तरीका अपनी दिनचर्या में परिवर्तन के साथ मात्र आधे घंटे की सैर है जो हर बीमारी को दूर करती है।

इसके साथ ही अधिक वसायुक्त व मसालेदार खाने, फास्ट फूड से परहेज जरूरी है। 70 प्रतिशत से अधिक कई धमनियों यानी आरट्री के बंद होने पर ही एंजियोग्राफी या आपरेशन कर स्टंट डालने की आवश्यकता होती है, अन्यथा दवाओं से ही उपचार कियाजाता है। ये हैं लक्षण और कारण सीने में दर्द, रक्त और आक्सीजन की कमी, पसीना आना और बाईं बाजू में दर्द, जबड़े और गर्दन में दर्द होना। गैसट्रिक में पेट में दर्द रहती है। कमजोरी व थकान, नींद में गड़बड़ी। डाक्टर का कहना है सर्दियों में हृदयाघात के ज्यादा मामले आते हैं। लोग उपचार में देरी करते हैं और इसके कारण मरीज की हालत खराब हो जाती है और मृत्यु तक हो जाती है। कम से कम तीन घंटे में अस्पताल पहुंचना जरूरी है।

संपादकीय

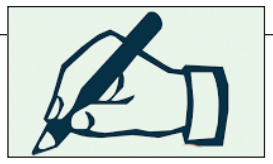

स्कूलों में तकनीक

जीवन के अन्य क्षेत्रों की तरह शिक्षा में भी डिजिटल तकनीक का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है. महामारी के दौर में तो इसकी वजह से ही पढ़ाई जारी रह सकी थी. एक ओर जहां कंप्यूटर और इंटरनेट के जरिये सामान्य शिक्षा बेहतर ढंग से दी जा सकती हैं, वहीं तकनीक नये कौशल एवं मेधा भी मुहैया कराने की क्षमता रखती है. केंद्र और राज्य सरकारें स्कूलों में समुचित संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत हैं, लेकिन अभी इस क्षेत्र में बहुत किया जाना बाकी है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा इस माह जारी यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन रिपोर्ट, 2021-22 के लिए 14,89,115 स्कूलों का सर्वेक्षण किया गया था, जिनमें से केवल 5,04,989 स्कूलों यानी 34 प्रतिशत विद्यालयों में ही इंटरनेट की सुविधा है. यद्यपि यह आंकड़ा संतोषजनक नहीं है, लेकिन अगर इसकी तुलना 2018-19 के 18.73 प्रतिशत के आंकड़े से करें, तो इंटरनेट उपलब्धता में उल्लेखनीय बेहतरी हुई है. आम तौर पर संसाधनों की कमी तथा प्रशासनिक लापरवाही के कारण सरकारी स्कूलों की दशा अपेक्षाकृत अच्छी नहीं रहती है. इस कारण अभिभावक समुचित शिक्षा के लिए अपने बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों में कराने के लिए मजबूर होते हैं, जहां उन्हें अधिक खर्च करना पड़ता है. डिजिटल संसाधन के मामले में भी निजी स्कूल और सरकारी सहायता प्राप्त निजी प्रबंध में संचालित हो रहे विद्यालय बेहतर स्थिति में हैं. जिन स्कूलों में इंटरनेट सुविधा है, उनमें से 24.2 प्रतिशत सरकारी स्कूल हैं, तो 53.1 और 59.6 प्रतिशत क्रमशः सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूल हैं. रिपोर्ट के अनुसार, आधे से अधिक स्कूलों में चालू हालत में कंप्यूटर भी नहीं हैं. इस सुविधा से लैस स्कूलों की संख्या 45.8 प्रतिशत है. यह आंकड़ा 2018-19 में 33.49 प्रतिशत था. कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों में सरकारी स्कूलों की संख्या केवल 35.8 प्रतिशत है, जबकि शेष सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूल हैं. समूचे देश में बिजली पहुंचाना सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में से है. इस प्रयास में सबसे पहले अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों और अन्य आवश्यक संस्थाओं पर ध्यान देना चाहिए. आज भी 13.4 प्रतिशत ऐसे स्कूल हैं, जहां बिजली का कनेक्शन ही नहीं पहुंच सका है. इन संसाधनों की उपलब्धता के मामले में एक खाई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तथा विकसित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के बीच भी है. अगर देश की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करना है, तो हमें ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों तथा पिछड़े राज्यों पर अधिक ध्यान देना होगा.

राज्य की महिलाओं और खिलाड़ियों के लिए सरकार कर रही लगातार बेहतर कार्य : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 दिसम्बर, प्रदेश की महिला अधिकारिता एवं बाल विकास, खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले, मंत्री रेखा आर्य ने पांचवीं विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लिया। रेखा आर्या द्वारा जहाँ सदन में माननीय सदस्यों द्वारा उठाये गए प्रश्नों के जवाब दिए। सदन में माननीय सदस्यों ने महिला बाल विकास, खाद्य, खेल एवं युवा कल्याण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न किए। विधायक सुमित हृदयेश ने जहाँ नन्दा देवी कन्याधन योजना ₹हमारी कन्या हमारा अभिमान योजना के तहत 2016-17 एवं वर्ष 2018 में जन्मी कन्याओं को लाभान्वित करने और अन्य विधायक़गणो द्वारा महिला बाल विकास से सम्बन्धित कई प्रश्न उठाये गए जिनके परिपेक्षय में रेखा आर्या ने सदन को अवगत कराया कि ₹नन्दा देवी कन्याधन योजना, हमारी कन्या हमारा अभिमान₹ के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में जन्मी कन्याओं को लाभान्वित करने की प्रक्रिया गतिमान है एवं वित्तीय वर्ष 2017-18 में जन्मी सभी पात्र कन्याओं को ₹नन्दा गौरा योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जा चुका है। उक्त योजनान्तर्गत जनपद नैनीताल से प्राप्त 7547 लाभार्थियों को योजना से आच्छादित किया जा रहा है।

वही जो पात्र व्यक्ति योजना का लाभ पाने से वंचित रह गए थे,ऐसी वर्ष 2015-16 की 25401 बालिकाओं एवं वर्ष 2016-17 की 6083 बालिकाओं को लाभान्वित किये जाने की प्रक्रिया गतिमान है।

खटीमा विधायक भुवन कापड़ी द्वारा सदन में उठाये गए आंगनबाड़ी केन्द्रो के सफल संचालन एवं टेक होम राशन की आपूर्ति के बारे में रेखा आर्या ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के अन्तर्गत कतिपय परियोजनाओं में भारत सरकार द्वारा प्राप्त धनराशि के अभाव में टेक होम राशन की आपूर्ति में व्यवधान हुआ है। वर्तमान में टेक होम राशन की सुचारू रूप से आपूर्ति हेतु भारत सरकार से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष अनुपूरक पोषाहार योजनान्तर्गत केन्द्रांश एवं राज्याश सम्मिलित करते हुए कुल धनराशि रू0 37,36,57,800/- (संतीस करोड छत्तीस लाख सत्तावन हजार आठ सौ मात्र) अवमुक्त की गई है। अवशेष राशि के संबंध में निदेशालय की मांग के आधार पर लम्बित भुगतान की धनराशि निर्गत कर यथाशीघ्र भुगतान कर दिया जायेगा।वहीं आंगनबाड़ी भवनो के किराये के लम्बित भुगतान हेतु आवश्य धनराशि यथाशीघ्र अवमुक्त कर दी जाएगी।

इस दौरान सदन में आंगनबाड़ी केन्द्रो में बच्चों को दिए जाने वाले पोष्टीक आहार और चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी जानकारी मांगी गई जिसके सम्बन्ध में रेखा आर्या ने बताया कि बच्चों को दिया जाने वाला आहार उच्च गुणवत्ता का होता है।वहीं मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा परवर्तिया एवं मैदानी क्षेत्रों में महिलाओं के प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार हेतु उत्तराखंड महिला समेकित विकास योजना एवं मुख्यमंत्री सतत आजीविका योजना चलाई जा रही है।साथ ही उत्तराखंड महिला समेकित विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 से वर्तमान तक 4235 महिलाओं एवं मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना के तहत 2725 महिलाओं को लाभान्वित किया गया है साथ ही जिसमें 316.14 लाख की सहायता राशि प्रदान की गई है। महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण हेतु वर्ष 2016 में विभाग द्वारा 8 योजनाएं संचालित की जा रही है जिनमे नंदा देवी कन्या धन योजना,हमारी कन्या हमारा अभिमान को नंदा गौरा योजना के नाम से, मातृत्व लाभ योजना को प्रधानमंत्री मात्र वंदना योजना के नाम से तथा निर्भया योजना को वन स्टॉप सेंटर के नाम से संचालित किया जा रहा है।

रेखा आर्य ने महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण के फैसले को बताया ऐतिहासिक, कहा महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में महिलाओं के 30 प्रतिशत क्षेतिज आरक्षण पर बात करते हुए रेखा आर्या ने कहा कि महिलाओं को दिया जाने वाला यह आरक्षण सरकार का ऐतिहासिक व स्वागत योग्य फैसला है। इसके जरिये हमारी महिलाएं सशक्त व समृद्ध बनेगी। यह फैसला अपने आप में एक साफ सन्देश देता है कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को आगे बढ़ाने में, उन्हें रोजगारपरक बनाने में, उन्हें सशक्त व समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने से हमारी उत्तराखंडी महिलाओं का हित होगा और वह आत्मनिर्भर बनेगी।

खेल एवं खिलाड़ियों के लिए सरकार कर रही लगातार बेहतर कार्य-रेखा आर्या

वहीं माननीय सदस्यों ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न उठाये जिनके जवाब में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान तक 36 मिनी स्टेडियम पूर्व में निर्मित,36 मिनी स्टेडियम निर्माणाधीन और 9 मिनी स्टेडियम प्रस्तावित है जिनका जल्द ही निर्माण कर दिया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम व खेल मैदान का निर्माण भूमि की उपलब्धता एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर किया जाता है।खेल मंत्री रेखा आर्या ने अवगत कराया कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए खेल विभाग गंभीर है। हमारे लिए राष्ट्रीय खेलों का आयोजन कराना एक गौरवपूर्ण बात है। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा लगातार काम किया जा रहा है। आज हमारी सरकार ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर आने वाले खिलाड़ियों के लिए विभिन्न श्रेणी में नगद पुरुस्कार की व्यवस्था की है। साथ ही भविष्य में हम अपने खिलाड़ियों के लिए चार प्रतिशत का क्षेतिज आरक्षण की व्यवस्था करने जा रहे हैं जिससे हमारे खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का लाभ प्राप्त हो सके।खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आज हमने उदियमान खिलाड़ियों के लिए छात्रवर्ती योजना शुरू की है जिसके जरिये खिलाड़ियों को प्रतिमाह 1500 रुपये की छात्रवर्ती दी जा रही है जिससे वह अपने खेल से सम्बंधित जरूरतों को पूर्ण कर सके। उन्होंने बताया कि अभी हम प्रदेश में खेल महाकुम्भ का आयोजन कर रहे हैं जो कि न्याय पंचायत स्तर से शुरू होकर ब्लॉक स्तर और अब जिला स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं। यहाँ से निकलने वाले बेहतरीन खिलाडी राज्य स्तर में प्रतिभाग करेंगे। कहा कि हमारी कोशिश है कि हम ग्रामीण स्तर पर खेलों की नर्सरी तैयार करें इसको लेकर विभाग द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है।

ऋषिकेश घूमने आया यूपी का युवक डूबा, एसडीआरएफ की टीम ने किया सर्च ऑपरेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 1 दिसंबर, त्रिवेणी घाट के समीप आस्था पथ पर गंगा में नहा रहे युवक अचानक डूब गया। जिसका पता नहीं चल पाया। एसडीआरएफ और जल पुलिस की टीम रेस्क्यू कर रही है। त्रिवेणी घाट और बहत्तर सीढ़ी घाट में चार युवक गंगा में नहाने गए थे। इनमें एक युवक मनोज (25 वर्ष) पुत्र मांगेराम निवासी जलालाबाद, शामली, उत्तर प्रदेश नहाते हुए गहरे पानी की ओर चला गया। जिसके बाद वह डूबने लगा, उसे तैरना नहीं आता था। उसके साथ गए तीन साथी भी तैरना नहीं जानते थे। देखते-देखते मनोज गंगा में लापता हो गया। कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक डीपी काला ने बताया कि मनोज मायाकुंड स्थित एक हलवाई के यहां काम करता था, यह वही रहता था। अपने तीन अन्य साथियों के साथ वह नहाने के लिए गया था। गंगा में उसकी तलाश के लिए एसडीआरएफ ढालवाला से टीम के साथ जल पुलिस की टीम को लगाया गया है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

2023 में धमाल मचाएंगे ये राशि वाले लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , 2023 के स्वागत का सभी लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नये साल के साथ ही लोगों के मन में नई उम्मीदें भी जगती हैं। हर व्यक्ति यही चाहता है कि उसके लिए नव वर्ष ढेरों खुशियां लेकर आए। ऐसे में नये साल को लेकर भविष्यवाणियों का दौर भी शुरू हो चुका है। यहां आप Rashifal 2023 की सहायता से जानेंगे कि नया साल किन राशियों के लिए बेहद शानदार और सफलता भरा साबित होने वाला है। मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, मकर, वृश्चिक, धनु, कुंभ और मीन में से किन राशियों की 2023 में लॉटरी लगने वाली है।

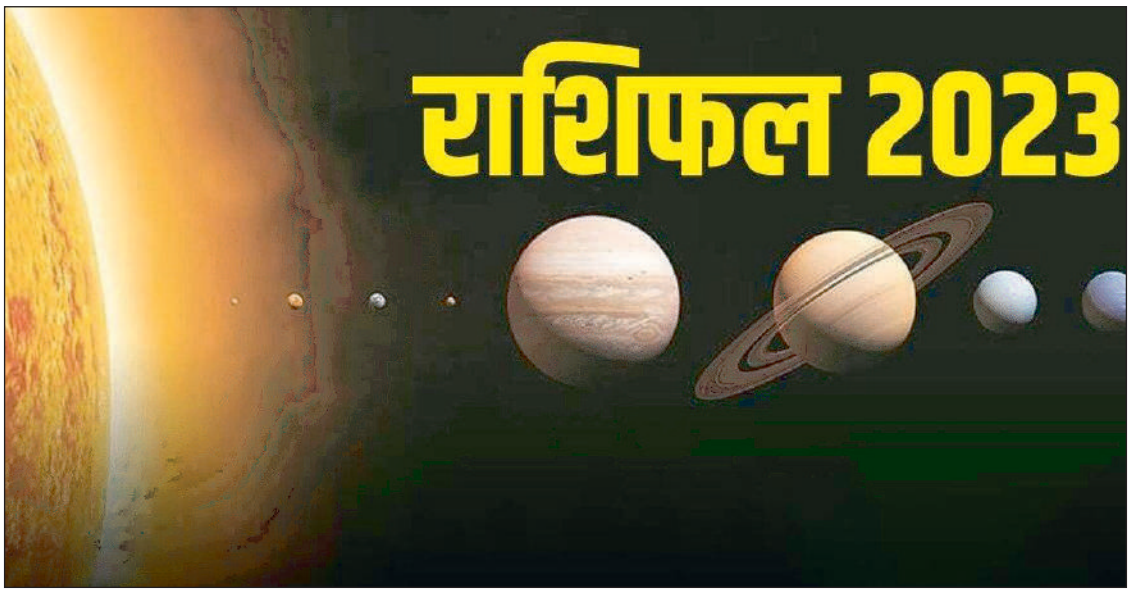

राशिफल 2023 में तीन राशियों को बल्ले बल्ले

वृश्चिक राशिफल 2023

वृश्चिक राशिफल 2023 के अनुसार नया साल आपके लिए शुभ साबित होगा। पूरे साल आपके अंदर साहस और पराक्रम देखने को मिलेगा। आप अपने कार्यों को बेहतर तरीके से पूरा कर पायेंगे। आप व्यापार में भी जोखिम उठाकर अच्छा पैसा कमाने में कामयाब रहेंगे। कई माध्यमों से धन की प्राप्ति के योग हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आप शानदार सफलता हासिल कर सकेंगे। आप अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहेंगे। कई सुखद समाचारों की प्राप्ति होगी।

तुला राशिफल 2023

आपकी संपत्ति और धन में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मकान की खरीदारी का सुख प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की काफी सराहना की जाएगी। आपको कोई बड़ा पद भी मिल सकता है। मेहनत रंग लाएगी। पूरे साल किस्मत का खूब साथ मिलने वाला है। शनि ढैय्या से आप नए साल में मुक्ति पा लेंगे। अटके हुए सभी काम पूरे होंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध काफी मधुर रहेंगे। शत्रुओं का नाश होगा।

कर्क राशिफल

नया साल आपके लिए बेहद शानदार साबित होने वाला है। कई मामलों में आपको सफलता हासिल होगी। धन प्राप्ति के मार्ग खुलेंगे। प्रॉपर्टी से अच्छा लाभ कमाने में सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति शानदार रहेगी। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम हासिल होंगे। विदेश यात्रा का सपना पूरा हो सकता है। निवेश के लिए साल अच्छा है।

एयरटेल दे रहा है '999999...' VIP नंबर फ्री में! ऑनलाइन आवेदन करें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कई बार वीआईपी नंबर से फोन आते हैं। ऐसे नंबर '99999...' से शुरू होते हैं। अब आपके मन में सवाल होगा कि आप भी ऐसे नंबर को कैसे खरीद सकते हैं? आज हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप VIP नंबर हासिल कर सकते हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि कैसे आप घर बैठे ऐसे नंबर को ऑर्डर कर सकते हैं।किसी भी एयरटेल वीआईपी नंबर को खरीदने के लिए आपको आधिकारिक साइट (https://www.airtel.in/myplan-infinity/submit-form) पर जाना होगा। यहां आपको न्यू कनेक्शन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपके सामने एक फॉर्म खुलकर आएगा।

सभी का नाम भरना होगा। इसके बाद आपको मोबाइल नंबर, पता भी डालना होगा। अंत में आपको सबमिट पर क्लिक करना होगा। ऑल क्लिक करने के बाद आपको एक ओटीपी मिलेगा। जैसे ही आप इसे दर्ज करेंगे आपका आदेश दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा अगर आपको अपनी पसंद का नंबर चाहिए तो आप स्टोर पर भी जा सकते हैं। यहां भी आपको कुछ नंबर ऑफर किए जाते हैं। इसमें कुछ वीआईपी नंबर भी शामिल हैं। लेकिन इसके लिए आपको नीलामी में हिस्सा लेना होता है या फिर कंपनियां अपनी पसंद के प्लान पर ऐसे नंबर देती हैं। अगर आप भी अपनी पसंद का कोई नंबर खरीदना चाहते हैं तो आपको पहले स्टोर पर जाना होगा। अब VIP नंबर ऑफर का फायदा Airtel ऐप की मदद से भी उठाया जा सकता है। इसके लिए यूजर्स को ऐप पर नोटिफिकेशन भी दिया जाता है।आपको बस इन नोटिफिकेशन को फॉलो करना है। साथ ही इसके लिए फीस भी देनी होती है, जिसे आप ऑनलाइन भी चुका सकते हैं। साथ ही, यदि आप वीआईपी नंबर स्टोर से खरीदते हैं, तो आप इसके लिए नकद में भी भुगतान कर सकते हैं।

खुशखबरी : 13 हजार से अधिक टीजीटी, पीजीटी, पीआरटी पदों के लिए केवीएस संगठन भर्ती 2022 आवेदन शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केंद्रीय विद्यालय संगठन, टीजीटी, पीजीटी, पीआरटी और टीचिंग और नॉन टीचिंग पदों के लिए केवीएस भर्ती 2022 शुरू हो गई है। जो उम्मीदवार केवीएस संगठन भर्ती 2022 के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट--kvsangathan.nic.in पर जा सकते हैं और केवीएस शिक्षण कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं।केवीएस ने विभिन्न पदों के लिए 13 हजार से अधिक रिक्तियों के लिए भर्ती की घोषणा की है, आवेदन प्रक्रिया 30 नवंबर, 2022 से शुरू हुई थी।केवीएस भर्ती 2022 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी पात्रता मानदंड पहले ही जांच लें। उम्मीदवारों को भविष्य में अयोग्यता की किसी भी संभावना से बचने के लिए पात्रता मानदंड की जांच करना अनिवार्य है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि केवीएस भर्ती 2022 अधिसूचना अभी तक आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। पात्रता मानदंड नीचे उल्लिखित हैं।

केवीएस संगठन भर्ती 2022: पात्रता मानदंड

प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी) अधिकतम आयु - 30 वर्षलाइब्रेरियन अधिकतम आयु – 35 वर्षप्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) अधिकतम आयु - 35 वर्षस्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) अधिकतम आयु - 40 वर्ष

केवीएस भर्ती 2022: शैक्षिक योग्यता

सहायक आयुक्त पीजी + बीएड + प्रासंगिक व्यय।प्रधानाचार्य पीजी + बी.एड + प्रासंगिक व्यय।वाइस प्रिंसिपल पीजी + बीएड + प्रासंगिक व्यय।पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पीजीटी) संबंधित विषय में पीजी + बी.एडप्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) स्नातक + बीएड + सीटीईटीप्राथमिक शिक्षक (PRT) 12वीं पास + D.Ed/ JBT/ B.Ed + CTET

पात्रता मानदंड कुछ पदों के लिए है, विस्तृत मानदंड के लिए उम्मीदवारों को आधिकारिक अधिसूचना की जांच करने की आवश्यकता होगी।इस भर्ती अभियान के तहत प्राथमिक स्नातक शिक्षक (पीजीटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी), स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी), पीआरटी संगीत, सहायक प्राचार्य और उप प्रधानाचार्य जैसे शिक्षण पदों के लिए विभिन्न रिक्तियां भरी जाएंगी। जबकि लाइब्रेरियन, वित्त अधिकारी, सहायक अभियंता (सिविल), सहायक अनुभाग अधिकारी (ASO), वरिष्ठ सचिवालय सहायक (UDC), कनिष्ठ सचिवालय सहायक (LDC), हिंदी अनुवादक, और आशुलिपिक ग्रेड- II सहित गैर-शिक्षण पद भी होंगे। भर ग्या।

केंद्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
मा सं वि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एवं स्वायत्त निकाय
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
AN AUTONOMOUS BODY UNDER MHRD, GOVERNMENT OF INDI

ऋषभ पंत सफेद गेंद के नंबर उतने बुरे नहीं हैं : ऋषभ पंत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भले ही इस साल सीमित ओवरों के क्रिकेट में खराब फॉर्म में रहे हों, लेकिन इससे उनका आत्मविश्वास जरा सा भी डिगा नहीं है। बुधवार को क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच से पहले आधिकारिक प्रसारक से बात करते हुए, पंत ने कहा कि उनके सफेद गेंद के नंबर ₹बुरे नहीं₹ थे।पंत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फरवरी में सबसे छोटे प्रारूप में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया था, जबकि 2022 में खेली गई 21 पारियों में केवल दो बार 30 रन का आंकड़ा पार किया था। इस साल उन्होंने जो नौ पारियां खेली हैं। ₹...रिकॉर्ड सिर्फ एक संख्या है। म

रे सीमित ओवरों के आंकड़े उतने बुरे नहीं हैं।' अभी मेरी उम्र सिर्फ 24-25 साल है। यदि आप तुलना करना चाहते हैं, तो आप इसे तब कर सकते हैं जब मैं 30-32 साल का हूं। इससे पहले, तुलना मेरे लिए मायने नहीं रखती है,₹ एक पस्त पंत ने कहा।

पंत, जो चल रही श्रृंखला के लिए उप-कप्तान हैं, ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में सिर्फ 10 रन बनाकर एक और विफलता का सामना किया। सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी पसंदीदा बल्लेबाजी स्थिति के बारे में पूछे जाने पर पंत ने कहा, ₹मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय में ओपनिंग करना पसंद करूंगा, वनडे में नंबर 4-5 और टेस्ट में मैं नंबर 5 पर बल्लेबाजी करूंगा। हां, गेम प्लान तब बदलता है जब आप निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए लेकिन साथ ही आपको वहां बल्लेबाजी करनी होती है जहां टीम चाहती है। वनडे में पहले से ध्यान लगाने की जरूरत नहीं है, केवल टी20 में आपको पहले से ध्यान लगाने की जरूरत होती है।'